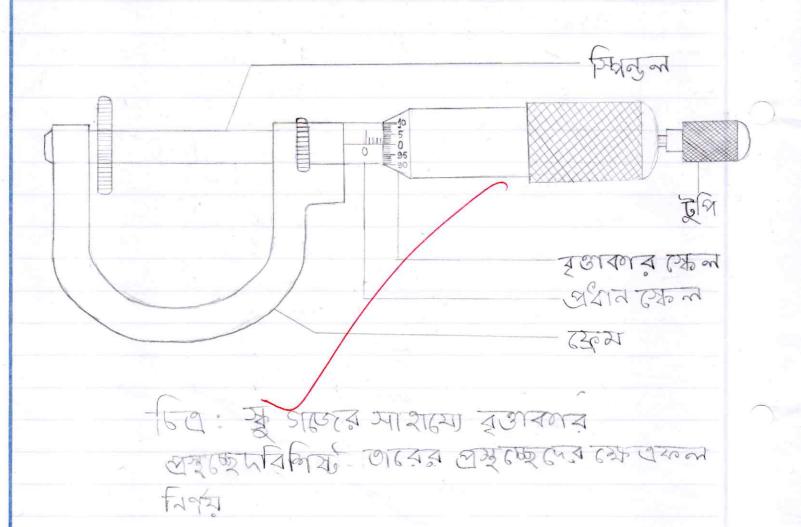
NAME OF THE EXPERIMENT: SO: .ON ASSIST

DATE

PAGE NO.

XPT NO.



একটি বৃত্তাকার প্রস্কৃচিনবিনির্ফ্ট NAME OF THE EXPERIMENT : তারের প্রস্কৃচিদের ফে তফল নির্পয়

EXPT. NO. : 62

PAGE NO.: OC

DATE: 28/06/36

উদ্দেশ)ঃ স্কু গড় ব্যবহার করে একটি র্ভাকার প্রস্কুচ্দেবিশিষ্ট তারের ব্যাস নির্ণয় করে উক্ত তারের প্রস্কুদের ক্ষেত্রফল নির্ণয়

সূত্র: ক্ষেত্রফল হলো বেগনো বস্তুর পূর্মতিলের পরিমাণ। লোনা তারের প্রস্থ বরাবর দৈর্ঘ্যের সাথে লম্বডারে ছেদ বলটলে যে তল পাওয়া যায়, তার পরিমাণই হচ্ছে প্রস্কেদের ক্ষেত্রফর্ল।

রোলা ব্ভাবার প্রস্থ ছে বিশিষ্ট তারের প্রস্থ ছেনের ক্রের্মন A হলে,

पिश्वात्त, n = जादिव वामार्थ रु = 3.1416 = = = (आमन्न मान); श्रुव मःश्वा

(৩খন তারের ব্যাস d হলে n= d, সহকাং A= t (d)²
;. A= == t, td²
(i)

স্তু গজের সাহাম্য যে বেলনে দৈর্ঘের পাঠ নির্ণয়ের সূত্র : দৈর্ঘ্য = রৈখিক ফেল পার্চ (L) + বৃত্তাবলর সেচলের ভাগ সংখ্যা (C) × নির্মির্চ গ্লন (LC)

Wars, d=L+C×LC

अद्गालितीय र्जियम्त्रभः

১। স্কু গত ৩। ক্রানক্লের্ট্র ৫। রুলার



NAME OF THE EXPERIMENT: : THE STATE OF THE TO SMAN

PAGE NO.: OU

DATE: (m.m) [CI]

কাডিয়ের পারাঃ

EXPT. NO.:

১। প্রথমে স্কু গড়টি নিয়ে রিখিক স্ফেলের স্কুদ্রতম ঘরের यान ७ व्याकार एक त्मर त्यां एवं मन्धा देणिशा ২। এরুপর মন্ত্রের পিচ নির্ণয় করি। ব্তাবলর ক্রেল সম্মুর্ণ प्रकाद यूर्वाल पिं हिर्दाध्य एकल वसायव ह्य देन्द्री অতিক্র করে, তাই হলো যন্ত্রের পিচ। পিচকে র্তাকার স্ফেলের মোট তারা সংখ্যা দিয়ে তার করে নাঘিষ্ঠ রাপন (LC) নির্পয় করি। । এর্ম পরীক্ষাধীন ভারতিকে ফু গতের স্থায়ী দেও ও ফু-র आनुष्ट्रियं याकाश्माद्य द्वार्थ कु-ति वकार्यक यदायं यूरिय কী-লক ও স্কু-কে আলভোভাবি তারের প্রায়ে স্পন্ধ করাই। 8। ५ ठावमारा देविधवः एम्हिन्स हा प्राशित इंख्रवाद सम्हिन्स यामित्वर दिया याम, त्यरे पार्वत आर्व निर्दे । वि देविश्वर ियण स्थिए एक हेम्यू के क्रिकार है हिए ए। (1) विक कर् देविधक (क्रांति देवाला ज्वांति एतिश्र माध्य मिर्न (शह ण लिशा पि रिष्ण के खाकार दिस्तिन हार प्रश्या (C)। ए। এ वाद्य वाद्य वाय कार्य वाद्य वाय वाद्य वाय वाद्य वाद वाद्य वाद হুকে সাপন করি।

৬। প্রিয়োজনীয় হিসাবের সাহায্যে তারের ব্যাস বের করে (i) নং সমীকরণে তা বসিয়ে তারের জ্রম্ছেদের ক্ষেত্র কল নির্পয় করি।

अर्याद्वम पः

क. निर्म जान निर्मः दिश्यिक (ऋतित पक एडिश्र मान, 5 = 0.1 m.m स्थाकार (ऋतित प्राक्ति एडिश्र मः श्री, n = 100

177 (m.m) PATA

1. 1 + 46 x 9. 01 = 1 + 0. 46 = 1, 46

2.1 +145 X0.01 = 1 +0,45 = 1.45 more & 1000

3.1+47 x 0.01=1+0.47=1.47 - 60 - 6 PEDIS

4.1+48×0.01=1+0.48=1.48

5.1+48×0.01=1+0.48=1.48

5 1.46+1.45+1.47 1.48 +1.48 pl का निया के स्थात है। जा का जा निया का निया है। जा का का निया का निया है। जा का का निय है। जा का निया है। जा का निय है। जा है। जा निय है। जा का निय है। जा ह

81 CA CHARLY FORMER CAT 18 318. [A=And CALCOLA यामाध्य दिया याय, दुनई प्राह्मत अपि चित्रं । पि देविच्या

CAP of SIP (1) 1 (7) SIN S SING CAPENY TO MAY WISH देशको दिशाद हिलाहरी प्रविद्या जीकिया निर्माल किलिया है।

OF WATING SEM FRIDA CAPLMY GISL XXXIII (C) I हा तहार्य नाय कार कार कार विदेश कारा आये अधि थिए

pla side dela

CI A OUT TO THE AND THE TOTAL AND THE AND THE me of Date of all alles as the control to brooker in

विवस यात्रा

: POREDJUN

क. लाश्चिम आता मिलियाः

A CALLY CAL WIL CAR HERE TO THE TOO

FIGURE NO.: Traminages and to aman

EXPT. NO.:

PAGE NO.: 09

DATE:

পিচ (র্ভাকার ক্রেল সম্পূর্ণ একবার মুরালে রৈখিক ক্রেলি खिक्री अिक्स क(त), p= 1 mm ं. निर्म ज्ञानन, LC = = = 100 m.m = 0.01 m.m

थ. णहरूर वाम निक्रियं हकः

পর্যবেম্বন সংখ্যা	রৈছ্যিক ফেন্ন পাঠ, L (m.m)	ৰূজাকার ক্ষেনের ভাগ সংখ্যা, C	লছিম তাল্a,LC (m.m)	d= L+C×LC(m.m)	গ্রড় পাঠ (ক্রান্স)	
1	1	46		1.46		
2	1	45		1.45		
3	1	47	0.01	1.47	1.468	
4	1	48		1.48		
5	1	48		1.48		

णाद्वर लामु हिन्द कि पुरुल, A = द्वार d2 $=\frac{1}{4} \times \frac{22}{7} \times (1.468)^2 \text{ m. m}^2$ $= 1.693 \, \text{m.m}^2$

= 1.693 × 10-6 m²

रा अपित जार्य अमिल्या किया भारता के प्राप्त के निर्माण कार्या अपित रा १००० m^2

3102601°

21 दिश्चिक स्मिर्टिंग अस्प्रिय प्रदिन यान, यतिन निर्म, नाश्यि अन्न प्रवर्षार प्रार्थ निर्म कर्वा इत्।

NAME OF THE EXPERIMENT: : THE EXPERIMENT :					
EXPT. NO.:	PAGE NO.: Ob	DATE:			
२। हिंग श्रिक दिक्र का क प्राप्त कि प्राप्त प्राप्त १। क्री- नक प्रश्न हैं शास्त्र क्रिक्क प्राप्त क्रिक्क प्रार्क क्रिक्क	भार्ग ७ व्यायगत एक प्रिम्श कत्रूच १६व प्रम्न त्रम्य याटि पित्र प्रम्न व्यानुष्य याटि ध्यान ज्ञायट १६व अत्यास फ्रम्स स्वा स्नु-दक १९व।	নের ভাগ সংখ্যা থার করতে হবে। খুব জোরে নেগে না । একই নিক বরাবর কাই প্রক্রের যারিব ফানে উরু ত্রটি আস			
	8				